

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा है कि ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस-एचएमपीवी नया वायरस नहीं है और इसको लेकर चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है। स्वास्थ्य मंत्री ने सोशल मीडिया पर वीडियो संदेश में कहा कि देश की स्वास्थ्य प्रणालियाँ और निगरानी नेटवर्क सतर्क हैं और स्वास्थ्य संबंधी किसी भी चुनौती से तत्काल निपटने की तैयारी सुनिश्चित की जा रही है। उधर, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने भी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ एक वचुअल बैठक के दौरान देश भर में एचएमपीवी मामलों की स्थिति की समीक्षा की।

इस बीच, उप मुख्यमंत्री और प्रदेश के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री बृजेश पाठक ने भी कहा है कि इस वायरस से घबराने की जरूरत नहीं है।

इसको लेकर हम लोग पूरी सतर्कता के साथ आगे बढ़ रहे हैं। और कहीं कोई पैनिक जैसी स्थिति नहीं है। हर स्थिति से निपटने के लिए सरकार पूरी तरह से तैयार है।

देश के कुछ राज्यों में इस वायरस के मामले प्रकाश में आए हैं जिन्हें देखते हुए केंद्र और प्रदेश सरकार सतर्क हो गयी है।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ का तीन दिवसीय सप्तावनवां राज्य स्तरीय सम्मेलन आज से आगरा में शुरू हुआ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय मत्स्य एवं पशुपालन राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल ने इसका उद्घाटन किया। इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि राष्ट्र का भविष्य बनाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी शिक्षकों के कंधों पर होती है। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह शिक्षकों की मांगों को उत्तर प्रदेश की सरकार के समक्ष रखेंगे।

गृह मंत्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो-सीबीआई द्वारा विकसित भारतपोल पोर्टल का शुभारंभ किया। इस पोर्टल का उद्देश्य इंटरपोल के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय सहायता के लिए सभी अनुरोधों पर कार्रवाई को सुव्यवस्थित करना है, जिसमें रेड नोटिस और अन्य इंटरपोल नोटिस जारी करना शामिल है। गृह मंत्री अमित शाह ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि भारतपोल अंतर्राष्ट्रीय जांच को नए युग में ले जाएगा।

उत्तर प्रदेश के आधा दर्जन से अधिक जिलों की सीमाएं नेपाल देश के साथ मिलती हैं। यह पोर्टल इन सीमाओं पर अपराधों और तस्करी की रोकथाम में भी कारगर साबित होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ तीर्थक्षेत्र के सभी सेक्टर में चिकित्सा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम के निर्देश दिये हैं। उन्होंने प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आज ठंड से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों से संबंधित समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने महाकुंभ क्षेत्र में एम्बुलेंस की सुविधा उपलब्ध कराने और हर प्रकार के मरीजों को चिकित्सा सुविधा देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की टीम सभी सेक्टर का लगातार भ्रमण करे और लोगों का हालचाल लेकर आवश्यकतानुसार उन्हें चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराए। उन्होंने बढ़ती ठंड के महेनजर प्रदेश के स्वास्थ्य तंत्र को सतर्क किया।

महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं के वाराणसी आने की संभावना को देखते हुए प्रशासन और पुलिस भी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। वाराणसी के मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा ने कहा कि अगले हफ्ते से कुंभ यात्रियों के जिले में आने की पुरजोर संभावना है। इसके लिए तैयारी पूरी कर ली गई है।

हम लोगों का ऐक्सप्रियंस छै से सात लाख श्रद्धालुओं को प्रतिदिन कराने का रहता है उसको और कैसे बढ़ाया जा सके, उनके सबके प्रयास हो रहे हैं और तीन-चार दिन में सारी व्यवस्थायें पूर्णरूप से लागू कर दी जायेंगी ताकि जो भी श्रद्धालु यहां श्रीकाशी विश्वनाथ दर्शन करने के लिये आयें उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो।

इस बीच, प्रदेश सरकार के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप ने लखनऊ में बैठक कर महाकुंभ की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने महाकुंभ क्षेत्र में दिव्यांगजनों और पिछड़ा वर्ग के लाभार्थियों के लिए विशेष शिविर लगाने का निर्देश दिया।

निर्वाचन आयोग ने अयोध्या जिले के मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव की घोषणा कर दी है। आयोग के अनुसार वहां पांच फरवरी को मतदान होगा और मतों की गिनती आठ फरवरी को की जाएगी। सपा सांसद अवधेश प्रसाद के इस्तीफे के कारण यह विधानसभा सीट रिक्त हुई थी।

प्रदेश के विभिन्न जिलों में कड़ाके की ठंड के कारण जनजीवन पर गहरा असर पड़ा है। बस और ट्रेने विलंब से चल रही हैं। प्रदेश के कई जिलों में चौदह जनवरी तक कक्षा आठ तक के विद्यालयों में अवकाश घोषित कर दिया गया है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के बलरामपुर, गोरखपुर और कुशीनगर समेत लगभग सभी जिलों में आज भी सुबह के समय देर तक कोहरा और दिन में कड़ाके की शीतलहर पड़ी। गोरखपुर जिले में दिन भर बादल छाए रहे। कुशीनगर जिले में स्कूलों के साथ साथ आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों के लिए भी चौदह जनवरी तक अवकाश

घोषित किया गया है। इस बीच, मौसम विज्ञान विभाग ने अगले तीन दिनों के दौरान तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस के क्रमिक गिरावट की संभावना जताई है। इससे ठंड में और भी बढ़ोत्तरी होगी। विभाग ने अगले तीन दिनों तक शीतलहर के साथ कहीं कहीं घना कोहरा और कई स्थानों पर अत्यंत घना कोहरा पड़ने की चेतावनी जारी की है।
